# चम्पारण ज्ञानाग्रह

**प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 25 जून 2026, अंक –296.**

**प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)**

**सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."**

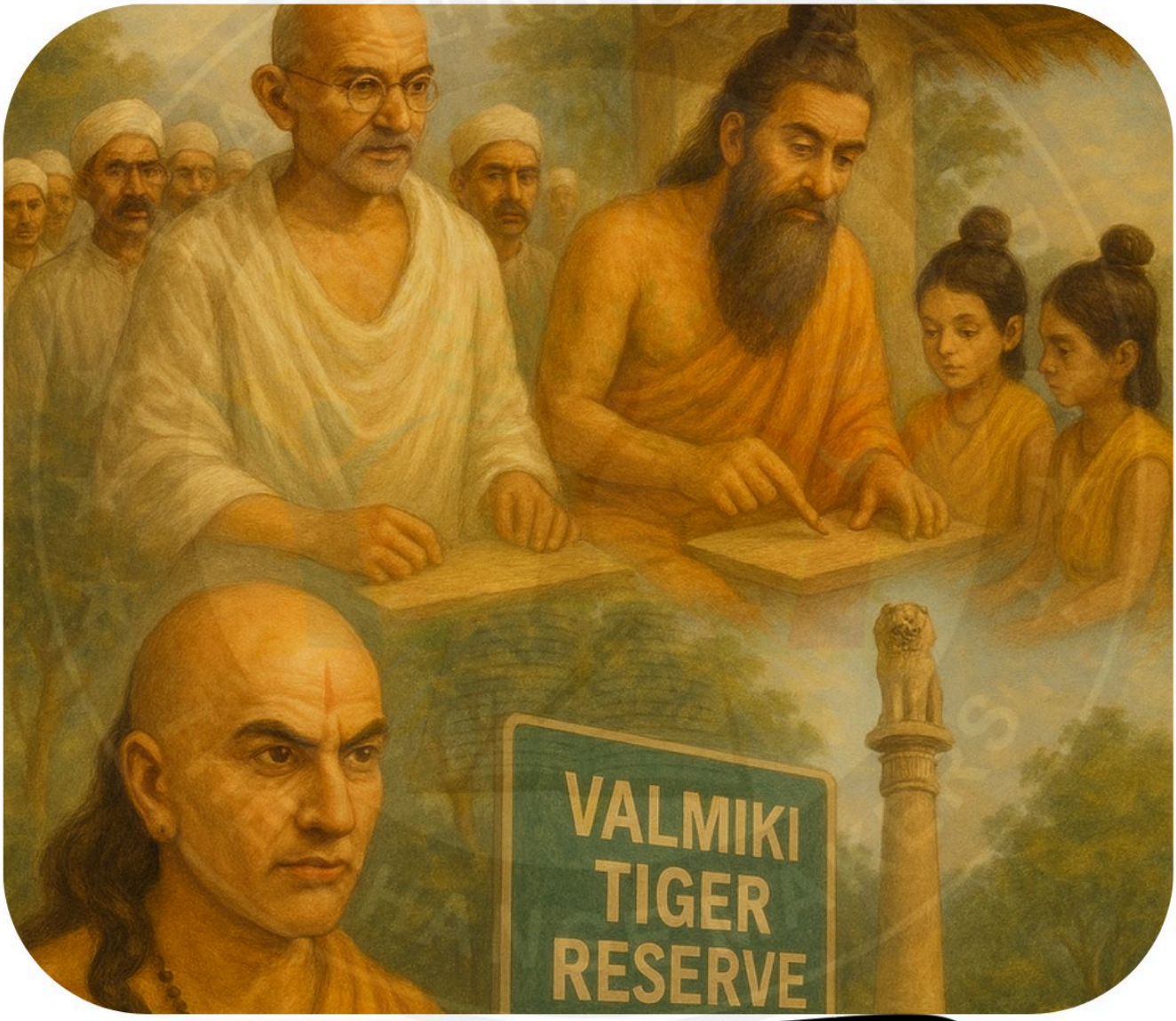


"बाधाएं वे भयानक चीजें हैं जो आप तब देखते हैं जब आप लक्ष्य से नजर हटा लेते हैं।" — हेनरी फोर्ड

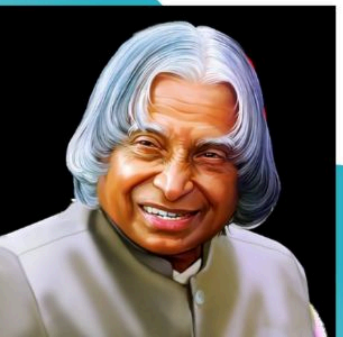

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

**संपादक:- शैलेन्द्र कुमार**

अनुभाग-1

# "प्रार्थना-सभा सामग्री"

## Thursday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूंगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुम्हें पाया।

## बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

## राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

## राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

## संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

## मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

## मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

# वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

## सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. रूस की मुद्रा क्या है?
उत्तर: रूबल
प्रश्न 2. भारत का राष्ट्रीय खेल किसे कहा जाता है?
उत्तर: कोई आधिकारिक राष्ट्रीय खेल नहीं
प्रश्न 3. 'हैलोवीन' त्योहार मुख्य रूप से किस देश की संस्कृति से जुड़ा है?
उत्तर: अमेरिका
प्रश्न 4. 25 का वर्ग (Square) क्या है?
उत्तर: 625
प्रश्न 5. बिहार में स्थित 'बोधगया' किस नदी के किनारे स्थित है?
उत्तर: निरंजना
प्रश्न 6. ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण) के संरक्षण के लिए प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यान कौन-सा है?
उत्तर: डेजर्ट राष्ट्रीय उद्यान
प्रश्न 7. टेलीफोन का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: अलेक्जेंडर ग्राहम बेल
प्रश्न 8. भारत के संविधान में धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार किन अनुच्छेदों में दिया गया है?
उत्तर: अनुच्छेद 25–28
प्रश्न 9. 'दिन' शब्द का विलोम क्या है?
उत्तर: रात
प्रश्न 10. चंद्रमा पर कदम रखने वाला पहला व्यक्ति कौन था?
उत्तर: नील आर्मस्ट्रांग

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

## शब्द - संगम

Clockwork – (क्लॉकवर्क) – घड़ी की मशीनरी
Watch – (वॉच) – कलाई घड़ी
Diary – (डायरी) – दैनंदिनी
File – (फाइल) – दस्तावेज़ रखने की फाइल
File – (फाइल) – दस्तावेज़ रखने की फाइल

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

## English गप-शप

थीम: "वह ... सकता/सकती है" (He/She can ...)

वह पढ़ सकता है। – He can read.
वह लिख सकता है। – He can write.
वह खेल सकता है। – He can play.
वह गा सकता है। – He can sing.
वह अंग्रेज़ी बोल सकता है। – He can speak English.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

# "सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रत्येक वर्ष 25 जून को अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) द्वारा कौन सा दिवस मनाया जाता है जो वैश्विक व्यापार में नाविकों के अमूल्य योगदान को सम्मान देता है?
उत्तर: नाविक दिवस
व्याख्या: प्रतिवर्ष 25 जून को अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) द्वारा "नाविक दिवस" (Day of the Seafarer) मनाया जाता है, जो वैश्विक व्यापार और आर्थिक विकास में नाविकों के महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता देता है। (newsonair) 2010 में मनीला में आयोजित राजनयिक सम्मेलन में इस दिवस की घोषणा की गई थी। वर्तमान में भारत के नाविक कार्यबल का विस्तार 2010 के बाद से पाँच गुना से अधिक होकर 3.23 लाख से अधिक हो गया है, जिससे भारत विश्व के शीर्ष तीन समुद्री कर्मचारी आपूर्तिकर्ता देशों में शामिल है। (Bsdma) वैश्विक व्यापार का लगभग 90% समुद्री मार्ग से होता है।
संदर्भ: IMO आधिकारिक पोर्टल; imo.org; (newsonair) Drishti IAS Current Affairs, June 2026; Directorate General of Shipping, India

प्र.2. जून 2026 में फ्रांस के एविआँ में आयोजित 52वें G7 शिखर सम्मेलन में भारत ने वैश्विक दक्षिण (Global South) के लिए कौन सा नई कनेक्टिविटी प्रस्ताव प्रस्तुत किया?
उत्तर: IMPACT
व्याख्या: 52वें G7 शिखर सम्मेलन में भारत ने "इंटरनेशनल मोबिलाइजेशन पार्टनरशिप फॉर एक्सेलेरेटिंग कनेक्टिविटी एंड ट्रेड" (IMPACT) प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसका उद्देश्य अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और प्रशांत द्वीपीय देशों में स्थानीय स्वामित्व एवं पारस्परिक लाभ पर आधारित कनेक्टिविटी परियोजनाओं को बढ़ावा देना है। (Remitly) यह प्रस्ताव चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) के एक वैकल्पिक मॉडल के रूप में देखा जा रहा है। भारत ने "ग्लोबल स्किल्स पार्टनरशिप" का भी प्रस्ताव रखा जो वृद्ध होती विकसित अर्थव्यवस्थाओं को भारत जैसे युवा देशों की कुशल जनशक्ति से जोड़ेगा। (Remitly) G7 2026 की अध्यक्षता फ्रांस के पास थी।
संदर्भ: KPIAS Academy UPSC Current Affairs, 18 June 2026; (Remitly) Vajiram & Ravi

प्र.3. "गोरा" उपन्यास के रचयिता कौन हैं, जो बंगाल के सामाजिक एवं धार्मिक जीवन का महाकाव्यात्मक चित्रण करता है?
उत्तर: रवींद्रनाथ टैगोर
व्याख्या: "गोरा" (Gora) नोबेल पुरस्कार विजेता महाकवि रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा रचित एक महत्वपूर्ण बंगाली उपन्यास है, जो पहली बार 1910 में प्रकाशित हुआ। यह उपन्यास राष्ट्रवाद, धार्मिक पहचान, जाति व्यवस्था और सामाजिक सुधार के विषयों को केंद्र में रखकर ब्रह्म समाज और हिंदू रूढ़िवाद के बीच के तनाव को उजागर करता है। टैगोर ने 1913 में "गीतांजलि" के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया था। वे एशिया के प्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता थे। उन्होंने भारत और बांग्लादेश दोनों के राष्ट्रगान — "जन गण मन" और "आमार सोनार बांग्ला" — की रचना की।
संदर्भ: रवींद्रनाथ टैगोर — "गोरा", प्रकाशन वर्ष: 1910; NCERT हिंदी साहित्य, कक्षा 11-12; UPSC सामान्य अध्ययन, भारतीय साहित्य संदर्भ सूची

प्र.4. वह कौन सी प्रक्रिया है जिसके द्वारा पौधे सूर्य के प्रकाश का उपयोग करके कार्बन डाइऑक्साइड और जल से भोजन (ग्लूकोज) बनाते हैं और ऑक्सीजन मुक्त करते हैं?
उत्तर: प्रकाश संश्लेषण
व्याख्या: प्रकाश संश्लेषण (Photosynthesis) पौधों, शैवाल और कुछ जीवाणुओं द्वारा संपन्न की जाने वाली एक जैव-रासायनिक प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया में पत्तियों की कोशिकाओं में उपस्थित क्लोरोफिल (हरित लवक) सूर्य के प्रकाश की ऊर्जा को अवशोषित करके कार्बन डाइऑक्साइड ($CO_2$) और जल ($H_2O$) को ग्लूकोज ($C_6H_{12}O_6$) और ऑक्सीजन ($O_2$) में परिवर्तित करता है। समीकरण: $6CO_2 + 6H_2O +$ प्रकाश ऊर्जा $\rightarrow C_6H_{12}O_6 + 6O_2$। यह प्रक्रिया पृथ्वी पर समस्त जीवन का आधार है क्योंकि यह खाद्य श्रृंखला का प्रारंभ करती है और वायुमंडल में ऑक्सीजन का स्तर बनाए रखती है।
संदर्भ: NCERT विज्ञान, कक्षा 7, अध्याय 1 — "पौधों में पोषण", पृष्ठ 4-7; NCERT विज्ञान, कक्षा 10, अध्याय 6 —

प्र.5. मध्यकालीन भारत में "भक्ति आंदोलन" के उस संत का नाम बताइए जो महाराष्ट्र में वारकरी संप्रदाय के प्रमुख प्रणेता थे और जिन्होंने "अभंग" रचनाएँ लिखीं?
उत्तर: संत तुकाराम
व्याख्या: संत तुकाराम (1608-1650) महाराष्ट्र के वारकरी भक्ति संप्रदाय के सर्वप्रमुख संत थे। उन्होंने विठोबा (विट्ठल/पंढरपुर) की भक्ति में "अभंग" नामक मराठी काव्य रचनाएँ की जो आध्यात्मिक गहराई और सामाजिक समानता का संदेश देती हैं। वे पुणे के निकट देहू ग्राम के थे। भक्ति आंदोलन ने जाति-भेद, कर्मकांड और पाखंड का विरोध किया। इस आंदोलन के अन्य प्रमुख संतों में ज्ञानेश्वर, नामदेव, एकनाथ और रामदास सम्मिलित हैं। इस आंदोलन ने मध्यकालीन भारत में सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़ किया।
संदर्भ: NCERT इतिहास, कक्षा 7 — "हमारे अतीत-II", अध्याय 8 — "ईश्वर से अनुराग", पृष्ठ 104-110

# "सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. भारत का वह कौन सा दर्रा है जो हिमाचल प्रदेश में मनाली को लद्दाख के लेह से जोड़ता है और विश्व के सर्वोच्च मोटर योग्य दर्रों में से एक है?
उत्तर: रोहतांग दर्रा
व्याख्या: रोहतांग दर्रा हिमाचल प्रदेश में कुल्लू और लाहुल-स्पीति जिलों के बीच पीर-पंजाल पर्वत श्रृंखला पर स्थित है। यह समुद्र तल से लगभग 3,978 मीटर (13,054 फीट) की ऊँचाई पर है। यह मनाली को लेह-लद्दाख से जोड़ने वाले मार्ग का प्रमुख पड़ाव है। इसके नाम का अर्थ "लाशों का ढेर" है, जो इसके दुर्गम मार्ग का संकेत देता है। अटल सुरंग (रोहतांग टनल) के निर्माण से अब इस क्षेत्र में वर्षभर यातायात संभव हो गया है। यह सुरंग 2020 में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित की गई और 9.02 किमी लंबी है।
संदर्भ: NCERT भूगोल, कक्षा 9 — "समकालीन भारत-I", अध्याय 2 — "भारत का भौतिक स्वरूप", पृष्ठ 14-16; NCERT कक्षा 11 — "भारत: भौतिक पर्यावरण"

प्र.7. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत राज्य के नीति निदेशक तत्व (DPSP) को संकलित किया गया है, जो राज्य के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत हैं किंतु न्यायालय में प्रवर्तनीय नहीं हैं?
उत्तर: अनुच्छेद 36-51
व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक राज्य के नीति निदेशक तत्व (Directive Principles of State Policy — DPSP) संकलित हैं। ये सिद्धांत आयरलैंड के संविधान से प्रेरित हैं। इन्हें "न्यायालय में प्रवर्तनीय नहीं" (Non-Justiciable) माना गया है, अर्थात् इनके उल्लंघन पर न्यायालय में याचिका नहीं दायर की जा सकती। फिर भी, डॉ. अंबेडकर ने इन्हें "भविष्य की संसद और सरकार के लिए दिशानिर्देश" बताया था। समान नागरिक संहिता (अनु. 44), समान कार्य के लिए समान वेतन (अनु. 39), एवं मुफ्त कानूनी सहायता (अनु. 39क) इसके महत्वपूर्ण उदाहरण हैं।
संदर्भ: NCERT नागरिक शास्त्र, कक्षा 11 — "भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार", अध्याय 2, पृष्ठ 30-33; भारत का संविधान, भाग-4

प्र.8. मानव शरीर में रक्त का थक्का जमाने (Blood Clotting) की प्रक्रिया में कौन सा प्रोटीन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है?
उत्तर: फाइब्रिन
व्याख्या: जब शरीर में कहीं चोट लगती है और रक्त वाहिका क्षतिग्रस्त होती है, तो रक्त का थक्का बनने की जटिल प्रक्रिया प्रारंभ होती है। रक्त में उपस्थित प्लेटलेट्स (Platelets) क्षति स्थल पर एकत्र होती हैं और थ्रोम्बिन एंजाइम की सहायता से फाइब्रिनोजेन (Fibrinogen) प्रोटीन से "फाइब्रिन" (Fibrin) निर्मित होती है। फाइब्रिन के धागों का जाल (Mesh) बनता है जो रक्तकोशिकाओं को पकड़कर थक्का तैयार करता है। यह थक्का रक्तस्राव रोकने में सहायक होता है। विटामिन K इस प्रक्रिया के लिए अनिवार्य है। हीमोफीलिया (Haemophilia) नामक रोग में यह प्रक्रिया बाधित होती है।
संदर्भ: NCERT विज्ञान, कक्षा 10, अध्याय 6 — "जैव प्रक्रम", पृष्ठ 104-105; NCERT जीव विज्ञान,

प्र.9. बिहार का वह कौन सा प्रसिद्ध लोक नृत्य है जो महिलाओं द्वारा छठ पूजा एवं विवाह उत्सवों के अवसर पर समूह में प्रस्तुत किया जाता है?
उत्तर: झिझिया
व्याख्या: झिझिया बिहार का एक परंपरागत लोक नृत्य है जो मुख्यतः मिथिलांचल क्षेत्र में महिलाओं द्वारा सामूहिक रूप से प्रस्तुत किया जाता है। इस नृत्य में महिलाएँ सिर पर छिद्रित मटके (घड़े) में जलता हुआ दीपक रखकर नृत्य करती हैं। यह नृत्य दुर्गा पूजा, नवरात्रि एवं विवाह के अवसरों पर किया जाता है। बिहार की समृद्ध लोक-संस्कृति में झिझिया के अलावा जट-जटिन, विदेसिया, नचारी, सोहर और समा-चकेवा जैसे अन्य लोक नृत्य-गान भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इनमें से कई को बिहार सरकार एवं संगीत नाटक अकादमी द्वारा संरक्षण प्राप्त है।
संदर्भ: NCERT सामाजिक विज्ञान, बिहार पाठ्यक्रम; बिहार की लोक संस्कृति — SCERT बिहार संदर्भ सामग्री; Bihar GK प्रामाणिक स्रोत, BPSC संदर्भ पुस्तिका

प्र.10. बिहार के किस जिले में "विक्रमशिला विश्वविद्यालय" के अवशेष स्थित हैं, जो एक समय बौद्ध शिक्षा का प्रमुख केंद्र था?
उत्तर: भागलपुर
व्याख्या: विक्रमशिला विश्वविद्यालय के अवशेष बिहार के भागलपुर जिले में अंतीचक नामक स्थान पर गंगा नदी के तट पर स्थित हैं। इसकी स्थापना पाल वंश के राजा धर्मपाल ने 8वीं-9वीं शताब्दी में की थी। यह नालंदा के बाद भारत का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध शिक्षा केंद्र था, जहाँ तंत्रयान बौद्ध धर्म की शिक्षा दी जाती थी। यहाँ 100 से अधिक आचार्य और 1,000 से अधिक छात्र अध्ययनरत रहते थे। तिब्बती विद्वान दीपंकर श्रीज्ञान (अतीश) यहाँ के प्रमुख आचार्य थे। 12वीं शताब्दी में बख्तियार खिलजी ने इसे नष्ट कर दिया।
संदर्भ: NCERT इतिहास, कक्षा 12 — "थीम्स इन इंडियन हिस्ट्री"; बिहार GK — BPSC संदर्भ पुस्तिका; ASI (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) आधिकारिक विवरण

# "सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के वज्रपात सुरक्षा मॉड्यूल के अनुसार, वज्रपात के समय विद्यालय परिसर में किस प्रकार के वृक्षों के समीप खड़े रहना सर्वाधिक खतरनाक है और क्यों?
उत्तर: ऊँचे एकाकी वृक्ष
व्याख्या: BSDMA के वज्रपात सुरक्षा दिशानिर्देशों के अनुसार, वज्रपात (आकाशीय बिजली) का सबसे पहले प्रहार सबसे ऊँची वस्तु पर होता है। इसलिए ऊँचे एकाकी वृक्षों — विशेष रूप से ताड़, पीपल, बरगद और नीम — के नीचे खड़े रहना अत्यंत खतरनाक है क्योंकि बिजली उस वृक्ष पर गिरती है और वहाँ खड़े व्यक्ति तक "साइड फ्लैश" (पार्श्व धारा) के माध्यम से करंट पहुँच जाता है। विद्यालय के बच्चों को यह विशेष रूप से सिखाया जाता है कि वर्षा में पेड़ की छाँव लेना जानलेवा हो सकता है। पक्की इमारत के भीतर जाना सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा उपाय है।
संदर्भ: BSDMA — वज्रपात सुरक्षा प्रशिक्षण सामग्री, जून माह W4; बिहार आपदा प्रबंधन शिक्षक प्रशिक्षण पुस्तिका; bsdma.org

प्र.12. मैं जितना पुराना होता हूँ, उतना छोटा होता जाता हूँ। उपयोग करने पर ही खर्च होता हूँ। पानी से मेरी जान जाती है। मैं क्या हूँ?
उत्तर: साबुन
व्याख्या: यह पहेली बच्चों की सृजनात्मक सोच और दैनिक जीवन की वस्तुओं के वैज्ञानिक गुणों को समझने की क्षमता को विकसित करती है। साबुन जितना अधिक उपयोग किया जाता है, उतना ही घिसता जाता है और आकार में छोटा होता जाता है। इसे केवल उपयोग करने पर ही खर्च किया जाता है। पानी में घुलने पर यह धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है। विज्ञान की दृष्टि से साबुन एक लवण है जो वसा अम्ल (Fatty Acid) और क्षार (NaOH या KOH) की अभिक्रिया से बनता है। साबुन अणु के एक सिरे पर जलप्रेमी (Hydrophilic) और दूसरे सिरे पर जलविरोधी (Hydrophobic) भाग होता है, जिससे यह तेल व मैल को पानी से धो देता है।
संदर्भ: NCERT विज्ञान, कक्षा 10, अध्याय 4 — "कार्बन एवं उसके यौगिक", पृष्ठ 64-66 (साबुन एवं अपमार्जक);

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

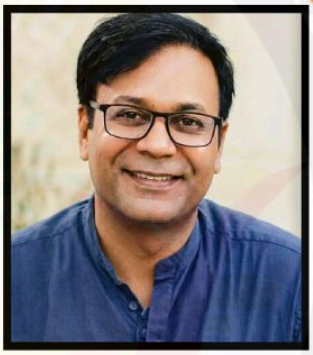

अनुभाग-4

## -: शब्द - संगम :-

Avert (अवर्ट) = Prevent (प्रिवेंट) = रोकना / टालना
Antonym – Invite (इनवाइट) = आमंत्रित करना
Benevolent (बेनिवोलेंट) = Kind-hearted (काइंड-हार्टेड) = परोपकारी / दयालु
Antonym – Malicious (मैलिशस) = दुर्भावनापूर्ण
Ceaseless (सीसलैस) = Continuous (कन्टिन्युअस) = निरंतर
Antonym – Temporary (टेम्पररी) = अस्थायी
Diligence (डिलिजेन्स) = Hard work (हार्ड वर्क) = परिश्रम / लगन
Antonym – Negligence (नेग्लिजेन्स) = लापरवाही
Eccentric (इसेन्ट्रिक) = Unusual (अनयूज़ुअल) = सनकी / असामान्य
Antonym – Conventional (कन्वेंशनल) = पारंपरिक

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

# "आज का अख़बार"

## NATIONAL NEWS

Government launches 'Project Bharat-Mausam 3.0'; IMD deploys India's first Supercomputing AI-Grid for hyper-local lightning predictions.
केंद्र सरकार ने 'प्रोजेक्ट भारत-मौसम 3.0' की शुरुआत की; भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने देश का पहला सुपरकंप्यूटिंग एआई-ग्रिड तैनात किया है, जो ग्रामीण स्तर पर 30 मिनट पहले बिजली गिरने (Lightning) और ओलावृष्टि की सटीक चेतावनी जारी करेगा।

Ministry of Corporate Affairs integrates 'MCA-21' portal with Web3 blockchain technology to completely eliminate shell-company fraud.
कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने अपने MCA-21 पोर्टल को वेब3 ब्लॉकचेन तकनीक के साथ अपग्रेड किया; इस कदम से फर्जी (शेल) कंपनियों के गठन और वित्तीय हेरफेर पर पूरी तरह से रोक लगेगी।

ISRO and National Institute of Oceanography successfully deploy 'Samudra-Aura' autonomous deep-sea gliders to map tectonic faults in the Indian Ocean.
इसरो और राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान ने संयुक्त रूप से 'समुद्र-ऑरा' नामक स्वायत्त गहरे समुद्र के ग्लाइडर्स तैनात किए हैं; ये ग्लाइडर्स हिंद महासागर की तली में टेक्टोनिक फॉल्ट्स की मैपिंग करेंगे, जिससे सुनामी की सटीक चेतावनी पहले मिल सकेगी।

## INTERNATIONAL NEWS

UNGA adopts 'The Space Sustainability Resolution'; establishes strict orbital traffic management to prevent satellite collisions.
संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने 'अंतरिक्ष स्थिरता संकल्प' पारित किया; बढ़ते अंतरिक्ष कचरे को रोकने और उपग्रहों के टकराव से बचने के लिए सख्त 'ऑर्बिटल ट्रैफिक मैनेजमेंट' प्रणाली लागू की जाएगी।

BBC News: Scientists in Germany develop 'Bio-Plastic from Seaweed' that decomposes in soil within 7 days without leaving microplastics.
बीबीसी न्यूज़: जर्मनी के वैज्ञानिकों ने समुद्री काई (Seaweed) से ऐसा बायो-प्लास्टिक विकसित किया है, जो मिट्टी में मात्र 7 दिनों के भीतर बिना माइक्रोप्लास्टिक छोड़े पूरी तरह नष्ट हो जाता है।

WHO pre-qualifies 'Leish-Shield', the world's first highly effective non-invasive nasal spray vaccine against Kala-Azar (Leishmaniasis).
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने कालाजार के खिलाफ दुनिया के पहले अत्यधिक प्रभावी और सुई-मुक्त नेज़ल स्प्रे (नाक से दिए जाने वाले) टीके 'लैश-शील्ड' को वैश्विक वितरण के लिए मंजूरी दी।

## BIHAR NEWS

Bihar Government to build 'International Convention Centre' in Bodh Gaya, will feature AI-based multilingual translation for global delegates.
बिहार सरकार बोधगया में 'अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र' बनाएगी; इसमें वैश्विक प्रतिनिधियों के लिए एआई-आधारित बहुभाषी अनुवाद की अत्याधुनिक सुविधा होगी।

SCERT Bihar introduces 'Financial Literacy' as a mandatory co-curricular subject for Classes 8-12; collaboration with RBI for digital-banking modules.
एससीईआरटी बिहार ने कक्षा 8-12 के लिए 'वित्तीय साक्षरता' को अनिवार्य सह-पाठ्यचर्या विषय बनाया; डिजिटल-बैंकिंग मॉड्यूल के लिए आरबीआई के साथ सहयोग।

## SPORTS NEWS

Indian Grandmaster D Gukesh wins the 'Grand Chess Tour 2026' leg in Bucharest; climbs to career-high World No. 2 in FIDE live ratings.
भारतीय शतरंज दिग्गज डी गुकेश ने बुखारेस्ट में आयोजित 'ग्रैंड चेस टूर 2026' का खिताब जीतकर इतिहास रचा; इस शानदार जीत की बदौलत वे फिडे (FIDE) की लाइव रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ विश्व नंबर-2 स्थान पर पहुंच गए हैं।

International Tennis Federation (ITF) approves 'Electronic Line-Calling' for all clay-court tournaments; replaces traditional human line-judges.
अंतर्राष्ट्रीय टेनिस महासंघ (ITF) ने पारंपरिक खेल भावना को आधुनिक बनाते हुए सभी क्ले-कोर्ट (मिट्टी के मैदान) टूर्नामेंटों के लिए 'इलेक्ट्रॉनिक लाइन-कॉलिंग' तकनीक को मंजूरी दी; अब रेफरी के फैसलों में इंसानी चूक की गुंजाइश खत्म होगी।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"NEWS का वास्तविक अर्थ है स्वयं को कल से बेहतर और अधिक जानकार बनाना।
समय के साथ कदम मिलाकर चलें।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

# धैर्य का फल

विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित होने वाली थी। अजय को चित्र बनाना बहुत पसंद था। उसने कई दिनों पहले से तैयारी शुरू कर दी। वह प्रतिदिन थोड़ा-थोड़ा अभ्यास करता और अपनी गलतियों को सुधारने का प्रयास करता।

दूसरी ओर उसका मित्र रोहन सोचता था कि प्रतियोगिता के एक-दो दिन पहले अभ्यास कर लेना ही काफी है। वह अक्सर कहता—

"इतनी मेहनत करने की क्या जरूरत है? मैं तो आखिरी समय में तैयारी कर लूँगा।"

प्रतियोगिता का दिन आ गया। सभी बच्चों को एक ही विषय पर चित्र बनाना था। अजय ने शांत मन से चित्र बनाना शुरू किया। उसने जल्दबाजी नहीं की। रंगों का चयन सोच-समझकर किया और हर छोटी बात पर ध्यान दिया।

वहीं रोहन जल्दी-जल्दी चित्र पूरा करने की कोशिश कर रहा था। जल्दबाजी में उससे कई गलतियाँ हो गईं। चित्र पूरा तो हो गया, लेकिन वह उतना आकर्षक नहीं बन पाया।

परिणाम घोषित हुए। अजय को प्रथम स्थान मिला। सभी बच्चों ने तालियाँ बजाकर उसका स्वागत किया।

रोहन ने उससे पूछा— "तुम्हारी सफलता का रहस्य क्या है?"

अजय मुस्कुराया और बोला—

"मैंने कोई जादू नहीं किया। मैंने केवल धैर्य रखा, नियमित अभ्यास किया और जल्दबाजी से बचा।"

यह सुनकर रोहन को अपनी गलती समझ में आ गई। उसने निश्चय किया कि अब वह किसी भी काम को टालने के बजाय समय पर और धैर्यपूर्वक करेगा।

मालती मैडम ने बच्चों से कहा— "बीज बोने के तुरंत बाद फल नहीं मिलते। पौधे को बढ़ने में समय लगता है। उसी प्रकार सफलता भी धैर्य, मेहनत और निरंतर प्रयास से मिलती है।"

उस दिन सभी बच्चों ने संकल्प लिया कि वे कठिनाइयों से घबराए बिना धैर्य के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ेंगे।

संदेश : "धैर्य वह शक्ति है, जो कठिन परिश्रम को सफलता में बदल देती है।"

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।



आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

# "शिक्षक संवर्धन"

## प्रयोग विधि — करके देखना ही असली सीखना है

An image highlighting an elementary school classroom where young students are actively conducting a simple science experiment with jars and water, demonstrating hands-on learning.

शिक्षक साथियों, महान दार्शनिक अरस्तू और आधुनिक विज्ञान शिक्षण के पैरोकार मानते हैं कि "जो हम सुनते हैं, उसे भूल जाते हैं; जो देखते हैं, उसे याद रखते हैं; लेकिन जो हम अपने हाथों से करते हैं, उसे हम पूरी तरह समझ जाते हैं।" प्रयोग विधि (Experimental Method) इसी सिद्धांत पर काम करती है। इस विधि में छात्र केवल मूक दर्शक बनकर ब्लैकबोर्ड पर लिखे सिद्धांतों को नहीं देखता, बल्कि वह स्वयं उपकरणों, सामग्रियों और वस्तुओं के साथ हेरफेर करके किसी नियम या सिद्धांत की सत्यता की जाँच करता है। यह विधि बच्चों में 'खोजी दृष्टिकोण' (Inquiry-based approach) और कार्य-कारण संबंध (Cause and Effect) को समझने की क्षमता पैदा करती है।

प्राथमिक और उच्च-प्राथमिक स्तर पर कई शिक्षक यह सोचकर इस विधि से कतराते हैं कि उनके स्कूल में कोई बड़ी या आधुनिक 'विज्ञान लैब' नहीं है। लेकिन प्रयोग विधि का अर्थ महँगे टेस्ट-ट्यूब या रसायनों से नहीं है। असली प्रयोग विधि वह है जो हमारे आस-पास उपलब्ध 'कबाड़ से जुगाड़' (Low-cost Teaching Aids) के माध्यम से संचालित हो। इस विधि में शिक्षक की भूमिका एक 'निदेशक' की नहीं, बल्कि एक 'सुरक्षा पर्यवेक्षक' और 'सह-अन्वेषक' की होती है, जो बच्चों को सुरक्षित रहकर खुद निष्कर्ष निकालने के लिए प्रेरित करता है।

उदाहरण:

आइए इसे हमारी प्राथमिक कक्षा के एक बहुत ही साधारण लेकिन जादुई प्रयोग से समझते हैं। मान लीजिए आप कक्षा 4 के बच्चों को विज्ञान में पढ़ा रहे हैं कि "पौधों की जड़ें पानी को ऊपर की ओर खींचती हैं।"

- पारंपरिक तरीका: आप ब्लैकबोर्ड पर पौधे का चित्र बनाकर तीर के निशान से दिखा दें कि पानी ऊपर जाता है। बच्चे इसे रट लेंगे।
- प्रयोग विधि का तरीका: आप कक्षा में काँच के दो साफ गिलास लेकर जाते हैं। दोनों में थोड़ा पानी भरते हैं। एक गिलास के पानी में आप लाल स्याही (या खाने वाला रंग) मिला देते हैं और दूसरे में सादा पानी रहने देते हैं। अब आप पुदीने या अजवाइन की दो छोटी हरी टहनियाँ (जड़ सहित या बिना जड़ की ताजी डंडी) दोनों गिलासों में एक-एक करके डाल देते हैं और बच्चों से कहते हैं— "बच्चों, कल तक इसका अवलोकन करना।"

अगले दिन जब बच्चे कक्षा में आते हैं, तो वे देखते हैं कि लाल पानी वाले गिलास की टहनी की पत्तियों की नसों में हल्का लाल रंग दिखाई दे रहा है, जबकि सादे पानी वाली टहनी वैसी ही है। बच्चे आश्चर्य से चिल्ला उठेंगे। अब आप उनसे पूछेंगे— "यह लाल रंग पत्ती तक कैसे पहुँचा?" बच्चे खुद बोलेंगे— "सर, डंडी ने नीचे से लाल पानी को ऊपर खींच लिया!"

यहाँ आपने कोई भारी परिभाषा नहीं रटाई। बच्चों ने अपनी आँखों से पानी को ऊपर चढ़ते देखा और प्रयोग के माध्यम से 'जाइलम' (पानी ले जाने वाली वाहिका) के सिद्धांत को व्यावहारिक रूप से समझ लिया।

शिक्षक साथियों, प्रयोग विधि का उपयोग करते समय हमेशा बच्चों को छोटे समूहों में काम करने दें ताकि हर बच्चे को सामग्री को छूने और प्रयोग करने का अवसर मिले। प्रयोग के बाद बच्चों को अपने शब्दों में यह लिखने के लिए प्रोत्साहित करें कि "उन्होंने क्या देखा" और "इससे क्या समझा।" यही प्रक्रिया उन्हें भविष्य का वैज्ञानिक बनाती है।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि विज्ञान और गणित को किताबों से निकालकर बच्चों के हाथों में सौंप दीजिए। जब बच्चा खुद करके देखता है, तो उसका भ्रम दूर हो जाता है और ज्ञान स्थायी हो जाता है। आज चिंतन कीजिएगा कि आपकी अलमारी में ऐसी कौन सी बेकार चीजें पड़ी हैं, जिन्हें कल आप एक मज़ेदार प्रयोग में बदल सकते हैं?

.....✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

# "पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर

बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

## चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

**निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है**

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

## सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

**01**
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

**सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित**

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

## 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण। बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

**सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण**

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

**शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:**

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

**कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता:** ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

**शिक्षा से बदलाव की दिशा:**

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

# "बिहार दर्शन : मुजफ्फरपुर, अंक–2"

## मुजफ्फरपुर: वज्जी संघ की विरासत, खुदीराम बोस की शहादत और मेधा के शीर्ष हस्ताक्षर

## 'संपादकीय'✍️

मुजफ्फरपुर का इतिहास केवल प्रशासनिक पन्नों का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह प्राचीन विश्व के सबसे पहले गणतंत्र वज्जी संघ (वैशाली) की सीमाओं और उसकी लोकतांत्रिक चेतना का जीवंत विस्तार है। पुरातात्विक दृष्टि से यह जिला सदियों तक बौद्ध और जैन दर्शन का एक प्रमुख केंद्र रहा। यहाँ के सुदूर गांवों, विशेषकर मीनापुर और पारू के क्षेत्रों में मिलने वाले प्राचीन मृदभांड (Pottery) और ईंटों के अवशेष यह प्रमाणित करते हैं कि यह भूमि प्राचीन काल से ही मौर्य और गुप्त साम्राज्यों के प्रशासनिक और व्यापारिक मार्गों की एक मज़बूत कड़ी थी। मध्यकाल में तिरहुत के कर्नाट राजाओं और बाद में दरभंगा राज के अधीन रहकर इस क्षेत्र ने अपनी एक विशिष्ट सांस्कृतिक और बौद्धिक पहचान गढ़ी, जिसने आगे चलकर आधुनिक बिहार के निर्माण में एक वैचारिक मार्गदर्शक की भूमिका निभाई।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में मुजफ्फरपुर का नाम एक ऐसे प्रज्वलित अंगारे की तरह दर्ज है, जिसने ब्रिटिश साम्राज्य की जड़ें हिला दी थीं। 30 अप्रैल 1908 का वह दिन भारत के क्रांतिकारी इतिहास का टर्निंग पॉइंट था, जब मात्र 18 वर्ष के युवा खुदीराम बोस और उनके साथी प्रफुल्ल चाकी ने अत्याचारी ब्रिटिश जज किंग्सफोर्ड की बग्गी पर बम फेंका था। मुजफ्फरपुर क्लब के सामने घटित इस घटना के बाद प्रफुल्ल चाकी ने जहाँ मोकामा में स्वयं को देश पर न्योछावर कर दिया, वहीं खुदीराम बोस को मुजफ्फरपुर जेल में ही फांसी दी गई। फांसी के फंदे को चूमते समय उनके चेहरे की मुस्कान ने पूरे देश के युवाओं में राष्ट्रवाद का ऐसा संचार किया कि मुजफ्फरपुर की धरती रातों-रात भारतीय क्रांति का एक वैश्विक तीर्थ बन गई। आज भी मुजफ्फरपुर की वह ऐतिहासिक जेल और खुदीराम बोस स्मारक उस अद्वितीय बलिदान की मूक गवाही देते हैं।

क्रांति की यह लौ केवल 1908 तक सीमित नहीं रही, बल्कि 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान यह जिला जन-आंदोलन का मुख्य केंद्र बन गया। इस आंदोलन में मीनापुर थाने पर तिरंगा फहराने के प्रयास में स्थानीय जन-नायक शहीद जुब्बा सहनी ने जो अदम्य साहस दिखाया, वह इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। ब्रिटिश पुलिस की बर्बरता के खिलाफ उठ खड़े होने वाले इस वीर मल्लाह को बाद में फांसी की सजा दी गई, परंतु उनका बलिदान चंपारण और तिरहुत के सुदूर ग्रामीण इलाकों में दबे-कुचले समाजों के लिए नागरिक अधिकारों और प्रतिरोध का सबसे बड़ा प्रतीक बन गया। उनके साथ ही रामवृक्ष बेनीपुरी जैसे प्रखर स्वतंत्रता सेनानी और लेखक ने भूमिगत रहकर अपनी लेखनी से जो वैचारिक क्रांति की, उसने पूरे उत्तर बिहार को आंदोलित कर दिया था।

साहित्य, मेधा और सामाजिक चेतना के क्षेत्र में मुजफ्फरपुर का योगदान अद्वितीय और वैश्विक रहा है। हिंदी साहित्य के 'कलम के जादूगर' कहे जाने वाले रामवृक्ष बेनीपुरी की कालजयी कृतियाँ (जैसे 'माटी की मूरतें' और 'गेंहू और गुलाब') इसी मिट्टी के अनुभवों से उपजी हैं। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' का मुजफ्फरपुर के लंगट सिंह कॉलेज (LS College) में हिंदी विभागाध्यक्ष के रूप में बिताना और यहीं रहकर उनकी कालजयी रचना 'कुरूक्षेत्र' का पल्लवित होना, इस जिले के साहित्यिक ऊंचाइयों को प्रदर्शित करता है। इसके अतिरिक्त, महान आचार्य और स्वतंत्रता सेनानी जे.बी. कृपलानी ने भी इसी कॉलेज में अध्यापन कार्य किया था, जहाँ 1917 में चंपारण जाने के क्रम में महात्मा गांधी का पहली बार उनसे संपर्क हुआ था। आधुनिक दौर में भी इस जिले ने कला, शिक्षा, विज्ञान और न्यायपालिका के क्षेत्र में देश को कई शीर्ष नेतृत्व दिए हैं।

can, अंततः, मुजफ्फरपुर का यह दूसरा ऐतिहासिक अंक यह स्पष्ट करता है कि यहाँ के समाज में राष्ट्रप्रेम, न्यायप्रियता और बौद्धिक श्रेष्ठता का एक अद्भुत समन्वय है। खुदीराम बोस की फांसी की रस्सी हो, जुब्बा सहनी का अदम्य साहस हो या बेनीपुरी की कलम का जादू—ये सभी तत्व मिलकर मुजफ्फरपुर को केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि भारतीय चेतना का एक अमर अध्याय बनाते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए इन स्थानीय क्रांतियों, अनसुने सेनानियों और साहित्यिक कड़ियों का यह सघन अध्ययन उत्तर बिहार की खोई हुई ऐतिहासिक कड़ियों को जोड़ने की एक अभूतपूर्व और प्रामाणिक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

.....✍️

**शैलेन्द्र कुमार**

**प्रधान शिक्षक**

**रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2**

Reg. No. BR/2025/0487469

# "चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

## आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

# Thank You..

## बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱 -9939671700


अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।


+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org